Carpenter's monthly newspaper

कारपेंटर्स न्यूज

www.carpentersnews.com

मासिक समाचार पत्र

R.N.I.No.MAHHIN/2005/16460 | Postel Regd. No. MCW/321/2025-27
Posted at Delisle Road, Mumbai-400013. On 20th of Every month | Published on Every 10 th day of the month

मुंबई | फरवरी 2026 | वर्ष : 21 | अंक : 03 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

डोरसेट का कारपेंटर महा मिलन .... पेज - 2

Link GROUP

FLUXX

SLIDING FITTINGS- Double Door Soft Close

एडजस्टेबल रोलर्स

स्टेबिलिटी गाइड सिस्टम

WARRANTY 2 YEARS WARRANTY

सॉफ्ट क्लोज मैकेनिज़्म

1 सेट (8 पीस रोलर | 4 पीस डैम्पर)

डैम्पर

रोलर

LINK HAI NA
TOLL-FREE NUMBER
1800-547-4559
FOR FREE INSTALLATION*

www.link-bharat.com

डोरसेट का कारपेंटर महा मिलन

कारीगरों के सम्मान और संवाद का मंच

नई दिल्ली @ कारपेंटर्स न्यूज
डोरसेट इंडिया की ओर से 10 जनवरी को दिल्ली में कारपेंटर महा मिलन का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र के कारपेंटरों के लिए आयोजित किया गया था, जिसका मुख्य उद्देश्य उनके योगदान को सम्मान देना, उनके साथ सीधा संवाद स्थापित करना और उन्हें डोरसेट की नवीन उत्पाद श्रृंखला व उन्नत तकनीक से परिचित कराना था। कार्यक्रम में उत्साह, सहभागिता और आपसी संवाद का सकारात्मक माहौल देखने को मिला। डोरसेट, जो विचारशील डिजाइन और विश्वसनीय सुरक्षा के लिए जाना जाता है, पिछले तीन दशकों से अधिक समय से मैकेनिकल और डिजिटल लॉकिंग सॉल्यूशंस, डोर हार्डवेयर, फर्नीचर फिटिंग्स और किचन हार्डवेयर के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

पारंपरिक कारीगरी और आधुनिक नवाचार के समन्वय के साथ, डोरसेट दरवाजों से लेकर किचन और फर्नीचर तक व्यापक हार्डवेयर समाधान प्रदान करता है। कंपनी की विविध प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में डिजिटल एंड मैकेनिकल लॉकिंग सॉल्यूशंस, डोर हार्डवेयर, डोर हैंडल्स, डोर कंट्रोल सिस्टम्स, डोर एक्सेसरीज, ग्लास सॉल्यूशंस, फर्नीचर फिटिंग्स एंड किचन हार्डवेयर शामिल हैं जो प्रिसीजन, ड्यूरेबिलिटी एंड स्टाइल के साथ इंजीनियर्ड किए गए हैं।

कारपेंटर महा मिलन कार्यक्रम में डोरसेट के जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ बंसल ने कारपेंटरों को संबोधित करते हुए निर्माण उद्योग में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि कारपेंटर केवल इंस्टॉलेशन का कार्य नहीं करते, बल्कि वे हर घर और इमारत की मजबूती और सुरक्षा की नींव रखते हैं। उनका कौशल, अनुभव और समर्पण ही किसी भी हार्डवेयर प्रोडक्ट को वास्तविक अर्थों में सफल बनाता है।

कारपेंटर महा मिलन के दौरान डोरसेट की संपूर्ण प्रोडक्ट रेंज का प्रदर्शन किया गया। कंपनी के टेक्निकल एक्सपर्ट्स ने प्रोडक्ट्स की सही इंस्टॉलेशन प्रोसेस पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया, जिससे कारपेंटरों को तकनीकी जानकारी के साथ व्यावहारिक समझ भी प्राप्त हुई। इस इंटरएक्टिव सेशन में कारपेंटरों ने अपने अनुभव साझा किए और उपयोग से जुड़े कई महत्वपूर्ण फीडबैक भी दिए। डोरसेट ने इन सुझावों को भविष्य की प्रोडक्ट डेवलपमेंट और सर्विस इम्प्रूवमेंट के लिए महत्वपूर्ण बताया।

कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण डोरसेट मित्रों लॉयल्टी प्रोग्राम रहा। बड़ी संख्या में नए कारपेंटर इस प्रोग्राम से जुड़े। इस अवसर पर लॉयल्टी प्रोग्राम के सात प्रमुख लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई, जिनमें आकर्षक रिवॉर्ड्स, विशेष ऑफर्स, प्रशिक्षण अवसर और अन्य प्रोत्साहन शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि अब तक देशभर में पचहत्तर हजार से अधिक कारपेंटर इस प्रोग्राम से जुड़ चुके हैं, जो डोरसेट और कारपेंटर समुदाय के बीच मजबूत विश्वास और साझेदारी को दशार्ता है।

इसके साथ ही, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शीर्ष कारपेंटरों को मंच पर सम्मानित किया गया और उन्हें पुरस्कार प्रदान किए गए। यह सम्मान उनके समर्पण, गुणवत्ता और निरंतर उत्कृष्ट कार्य का प्रतीक रहा। सभी प्रतिभागी कारपेंटरों को डोरसेट की ओर से विशेष जैकेट भेंट की गई, जो उनके प्रति आभार और सम्मान का प्रतीक थी। कार्यक्रम के समापन पर डोरसेट ने यह साझा किया कि आने वाले समय में इस प्रकार के कारपेंटर महा मिलन देश के अन्य शहरों और राज्यों में भी आयोजित किए जाएंगे। कंपनी का उद्देश्य कारपेंटर समुदाय के साथ सहयोग, प्रशिक्षण, संवाद और विश्वास को और अधिक सुदृढ़ करना है, ताकि साथ मिलकर सुरक्षित, टिकाऊ और बेहतर निर्माण का भविष्य तैयार किया जा सके।

RNI NO. MAHHIN/2005/16460

कारपेंटर्स न्यूज़

कारपेंटर्स न्यूज में विज्ञापन या प्रतियों के लिए **9320566633** पर संपर्क करें।
Email: carpentersnews@gmail.com

शाकाहार को मिल रहा बढ़ावा

2019 में जर्नल ऑफ द अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, शाकाहार भोजन अपनाने वाले वयस्कों में दिल संबंधी बीमारी और मृत्यु का जोखिम कम होता है। एक तथ्य यह भी है कि दुनिया में सबसे ज्यादा (24 प्रतिशत) शाकाहारी भारत में हैं। 2026 में पौधे आधारित खाने को बढ़ावा मिलेगा। फल-सब्जियां, साबुत अनाज, वाले, नट्स और बीज पसंद किए जाएंगे।

मुंबई | फरवरी 2026 | वर्ष : 21 | अंक : 03 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

EVERY DOOR DESERVES A
dorsët
MORE SAFE. MORE SECURE.
dorsët MITRON
Saath Umar Bhar Ka!
UNWAY The Smart Way | iGEN

मज़बूती की शुरुआत, सही हिंज से
स्टैंडर्ड्स पर खरा, परफॉर्मेंस में आगे

आज ही रजिस्टर करें
और पहले स्कैन के साथ
250
बोनस अंक
सुनिश्चित करें

PAN/
AADHAR
से लॉयल्टी
प्रोग्राम
जॉइन करें।

डोरसेट मित्रों ऐप डाउनलोड करने के लिए स्कैन करें

मित्रों वीडियो देखने के लिए स्कैन करें

हमें फॉलो करें:
Dorset India
MITRON HELPDESK SUPPORT
1800 2022 434
mitronsupport@dorsetindia.com

महंत स्वामी महाराज का 92वां जन्मजयन्ती महोत्सव मनाया गया

गिनीज वर्ल्ड में भारतीय सनातन संस्कृति का सम्मान

वडोदरा। परम पूज्य महंत स्वामी महाराज के 92वें जन्मजयन्ती महोत्सव का आयोजन 2 फरवरी 2026 को अत्यंत भव्यता और गहन भक्तिभाव के साथ किया गया। परम पूज्य महंत स्वामी महाराज की वाणी, प्रभाव, अहं-शून्यता और उच्च आध्यात्मिक स्थिति को दशार्ने वाली विशेष वीडियो प्रस्तुति के साथ, बी.ए.पी.एस. के वरिष्ठ संतों द्वारा उनके दिव्य जीवन, गुणों और कार्यों पर प्रकाश डालते हुए प्रेरणादायी उद्बोधन दिए गए। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल व मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव का बी.ए.पी.एस. के वरिष्ठ संतों की ओर से स्वागत किया गया। इस महोत्सव में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स (भारत) के वरिष्ठ निर्णायक स्वप्निल डांगरिकर ने परम पूज्य महंत स्वामी महाराज को सम्मान-पत्र अर्पित किया गया।

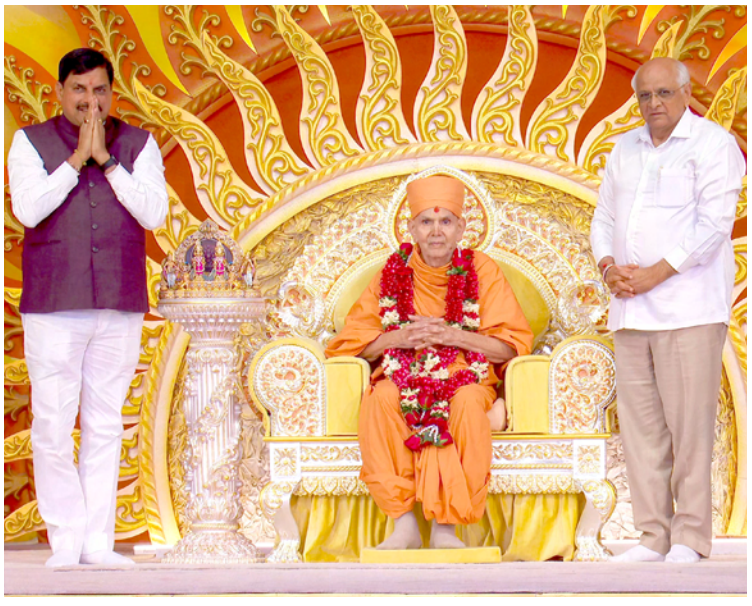

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा हिन्दू ग्रंथ के सबसे विराट सामूहिक पाठ के लिए यह रिकॉर्ड परम पूज्य महंत स्वामी महाराज को प्रदान किया गया। 15,666 बच्चों में से कुल 12,723 बच्चों का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के अधिकारियों द्वारा इस रिकॉर्ड के आधिकारिक पंजीकरण हेतु मान्यता प्रदान की गई। परम पूज्य महंत स्वामी महाराज की प्रेरणा से बी.ए.पी.एस. संस्था के 3 से 13 वर्ष की आयु के 15,000 से अधिक बच्चों ने सत्संग दीक्षा ग्रंथ का एक वर्ष में संस्कृत में पूर्ण मुखपाठ किया।

परम पूज्य महंत स्वामी महाराज द्वारा रचित 315 श्लोकों से युक्त सत्संग दीक्षा ग्रंथ आध्यात्मिक, नैतिक, सामाजिक और व्यावहारिक जीवन के लिए प्रेरणा प्रदान करता है। यह एक ऐतिहासिक और विरल उपलब्धि है कि किसी एक संस्कृत ग्रंथ का, उसके रचयिता की प्रत्यक्ष उपस्थिति में, 15,666 बालक-बालिकाओं द्वारा मात्र एक वर्ष में संपूर्ण ग्रंथ अर्थात 315 श्लोकों का सामूहिक मुखपाठ और गायन किया गया हो।

इस अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा प्रेषित शुभकामना संदेश का वाचन किया गया। परम पूज्य महंत स्वामी महाराज के जन्मजयन्ती महोत्सव के अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपनी शुभकामनाएं अर्पित की और उनके आशीर्वाद प्राप्त किए। परम पूज्य महंत स्वामी महाराज के जन्म स्थान जबलपुर का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने गौरव और आनंद की भावना व्यक्त की। मंत्र पुष्पांजलि द्वारा सभी भक्तों ने परम पूज्य महंत स्वामी महाराज के चरणों में अपनी गुरु-भक्ति का अर्घ्य अर्पित किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर लाखों दीपों के साथ की गई सामूहिक आरती के दौरान अत्यंत भावविभोर और हृदयस्पर्शी वातावरण निर्मित हुआ।

परम पूज्य महंत स्वामी महाराज ने भी सभी को उन्नत आध्यात्मिक जीवन की प्रेरणा देते हुए अपने आशीर्वचनों से कृतार्थ किया। उन्होंने कहा कि प्रमुख स्वामी महाराज कहा करते थे, दूसरों के आनंद में ही हमारा आनंद है। भगवान ही सर्वकर्ता-हर्ता हैं। शास्त्रीजी महाराज ने अत्यंत पुरुषार्थ से इस संस्था की स्थापना की और योगीजी महाराज तथा प्रमुख स्वामी महाराज ने इसका संवर्धन किया। यह संस्था सिद्धांतों पर आधारित है। यह संस्था एकता की संस्था है। यह संस्था समझ और विवेक की संस्था है। आज गिनीज बुक से जो सम्मान प्राप्त हुआ है, उसके पीछे इन बच्चों की कठोर मेहनत है और यह सम्मान सभी गुरुओं को समर्पित है। संतों, कार्यकताओं और अभिभावकों ने अत्यंत परिश्रम किया है ,यह सम्मान उन्हीं का है। जन्मदिन समारोह में बी.ए.पी.एस. के 800 संतों तथा लगभग दो लाख भक्तों की स्थल पर उपस्थिति रही।

इस भव्य आयोजन की योजना और तैयारियां तीन महीनों से अधिक समय तक चलीं, जिसमें बी.ए.पी.एस. के सैकड़ों संतों तथा 34 विभिन्न विभागों के 14,000 स्वयंसेवकों ने समर्पित भाव से सेवा की। वडोदरा नगर निगम ने सुरक्षा, संरक्षा तथा आवश्यक सेवाओं के संदर्भ में पूर्ण सहयोग प्रदान कर इस ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस समारोह ने सभी को विनम्रता, श्रद्धा और निष्काम सेवा की भावना के साथ जीवन जीने की प्रेरणा दी। इस आयोजन का भारत और विदेशों में असंख्य भक्तों एवं शुभचिंतकों ने live.baps.org तथा आस्था भजन चैनल के माध्यम से सीधा प्रसारण देखकर लाभ लिया।

फालतू मेल्स से अब मिनटों में पाएं छुटकारा

आज के डिजिटल दौर में ईमेल हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुके है। बैंक अलर्ट, ऑफिस मेल, ऑनलाइन शॉपिंग रसीदें और सोशल मीडिया नोटिफिकेशन- सब कुछ जीमेल इनबॉक्स में ही आता है। लेकिन परेशानी तब शुरू होती है, जब इन जरूरी मेल्स के बीच हजारों प्रमोशनल ईमेल न्यूजलेटर और ऑफर वाले मैसेज इनबॉक्स को पूरी तरह भर देते हैं।

नतीजा यह होता है कि जरूरी ईमेल ढूंढना मुश्किल हो जाता है और जी मेल स्टोरेज भी तेजी से फुल होने लगता है। अगर आपका जीमेल इनबॉक्स भी हजारों अनरीड मेल्स से भरा पड़ा है, तो घबराने की जरूरत नहीं है। जी मेल में मौजूद स्मार्ट सर्च और फिल्टर फीचर्स की मदद से आप कुछ ही क्लिक में फालतू ईमेल्स को एक साथ डिलीट कर सकते है।

अक्सर मार्केटिंग और प्रमोशनल ईमेल्स के नीचे Unsubscribe का ऑप्शन दिया होता है। ऐसे ईमेल्स को पहचानना जी मेल में बेहद आसान है। इसके लिए जी मेल के सर्च बार में Unsubscribe टाइप करें और एंटर दबाएं। ऐसा करते ही आपके सामने वे सभी ईमेल्स आ जाएंगे, जिनमें अनसब्सक्राइब लिंक मौजूद है। अब ऊपर-बाईं ओर दिए गए चेकबॉक्स पर क्लिक करके सभी ईमेल्स को सेलेक्ट करें। इसके बाद इस सर्च से मेल खाने वाले सभी कन्वर्सेशन चुनें वाले ऑप्शन पर क्लिक करें और ट्रैश आइकन दबा दें। कुछ ही सेकंड में सैकड़ों फालतू मेल्स इनबॉक्स से गायब हो जाएंगे।

जीमेल इनबॉक्स में प्रमोशंस और सोशल नाम के अलग-अलग टैब दिए जाते हैं। इन टैब्स में ज्यादातर विज्ञापन, ऑफर्स गैर-जरूरी नोटिफिकेशन जमा रहते हैं। इन टैब्स को साफ करने के लिए संबंधित टैब पर जाएं, Select All चेक बॉक्स पर क्लिक करें और फिर डिलीट आइकन चुनें।

जी मेल के सर्च बार में from या सीधे उस सेंडर का नाम टाइप करें। सर्च रिजल्ट में उस सेंडर से जुड़े सभी ईमेल दिख जाएंगे। अब सभी मेल्स को सेलेक्ट करें और ट्रैश आइकन पर क्लिक कर दें। यह फालतू मेल्स से छुटकारा पाने में बेहद कारगर है।

देश का आध्यात्मिक केंद्र बनेगा माता वैष्णो देवी

जम्मू। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने तीर्थ स्थल और आसपास के क्षेत्र को देश के अग्रणी आध्यात्मिक केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए कई अहम पहलों को मंजूरी दी।

बोर्ड ने श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ाने और यात्रा अनुभव बेहतर करने के लिए एक समिति भी गठित की है, जो अपनी सिफारिशें बोर्ड को सौंपेगी। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की अध्यक्षता में हुई बैठक में ये फैसले लिए गए। इन कदमों का उद्देश्य तीर्थ क्षेत्र को अधिक आधुनिक, सुविधाजनक और आकर्षक बनाना है। बोर्ड ने माता की आध्यात्मिक विरासत पर आधारित अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय, आधुनिक प्रकाश व ध्वनि कार्यक्रम और माता वैष्णो देवी पर एक वृत्तचित्र तैयार करने की मंजूरी दी है। रिक्त पदों को भरने का भी निर्णय लिया गया है, जिसके लिए भर्ती प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने प्रति यात्री बीमा कवर 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये करने का फैसला किया है।

खाली बैठना आलस नहीं, सेहत के लिए जरूरी

आज की दुनिया में हर वक्त काम करते रहो को महत्व दिया जाता है। लेकिन रुकना, आराम करना और खुद के लिए समय निकालना मानसिक सेहत के लिए अनिवार्य है। डब्ल्यूएचओ, अमेरिका के हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, इलिनोइस विश्वविद्यालय सहित कई अध्ययनों में कहा गया कि हर वक्त भागते रहना सही नहीं है। आराम कमजोरी नहीं, ताकत देता है। सीमाएं बनाना जरूरी है, लेकिन नींद और छोटे ब्रेक मानसिक संतुलन के लिए जरूरी हैं। खुद का ख्याल रखना भी दूसरों के लिए बेहतर बनता है।

• महिलाओं को लगता है कि परिवार को समय देना है। काम में पीछे नहीं रहना और हर वक्त उपलब्ध रहना है। लेकिन सच्चाई यह है कि खाली कप से किसी को कुछ नहीं दिया जा सकता। अगर आप खुद थकी हुई है, तो दूसरों की मदद भी ठीक से नहीं कर पाएंगी।

• आखिर असली आराम क्या है। अपने काम के साथ बीच में ली गई छुट्टियां नहीं है। बल्कि पूरी तरह खुद के लिए समय देना है। जैसे पूरा वीकेंड ऑफ या सिर्फ रविवार को फोन बंद करके खुद को रिचार्ज करना है।

• सीमाएं बनाना स्वार्थ नहीं, खुद के लिए अहम हैं। छोटी-छोटी बातें जैसे

रात आठ बजे के बाद फोन बंद, चुपचाप पढ़ना, लेटकर कुछ न करना और परिवार के साथ बिना डिस्टर्बेंस समय ये सब मन को शांति देते हैं।

• नींद पूरी न हो तो शरीर काम नहीं करता, दिमाग ध्यान नहीं लगा पाता। छोटे-छोटे ब्रेक मिलकर बड़ा फर्क डालते हैं।

सत्य के संग ही सत्संग का लाभ : स्वामी हरि चैतन्य पुरी

गढीनेगी। प्रेमावतार, युगद्दष्टा, श्री हरि पीठाधीश्वर विश्व विख्यात संत स्वामी हरि चैतन्य पुरी महाराज ने श्री हरि कृपा धाम आश्रम में उपस्थित विशाल भक्त समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि सत्संग का प्रकाश हमारे अंतर्मन को प्रकाशित करता है। हमें उस ज्ञान रूपी प्रकाश को अपने अंतर्मन में धारण कर परमपिता परमेश्वर को पाने का प्रयास करना चाहिए। जब तक सत्य का संग नहीं होगा सत्संग से भी कोई लाभ प्राप्त हो नहीं सकेगा। जिस प्रकार हमारे घरों की खिड़की दरवाजे बंद होने पर सूरज की किरणें हमें लाभ नहीं पहुंचा सकती, ठीक उसी प्रकार हम गुरु व परमात्मा की कृपा के अधिकारी तभी बन सकते हैं जब हम उनके द्वारा दिए गए ज्ञान रूपी प्रकाश को अपने अंतर्गत में उतारेंगे। उन्होंने कहा कि दृढ़ता, संयम, त्याग व तदनुकूल आचरण इन चारों के एकत्रित होने पर ही सफलता प्राप्त होती है।

योग्यता से अधिक महत्वाकांक्षी नहीं होना चाहिए। भूतकाल से प्रेरणा लें, भविष्य के लिए योजना चाहे बनाए, लेकिन वर्तमान में जीएँ। सबसे महत्वपूर्ण समय वर्तमान है उसका उत्तम से उत्तम उपयोग करें। सबसे महत्वपूर्ण काम वर्तमान में जो तुम्हारे सामने है उसे सावधानी से संपन्न करें। सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति वह है जो वर्तमान में तुम्हारे सामने हैं उसके साथ सम्यक

रीति से व्यवहार करें। साधु का वेश बनाकर भी समाज को धोखा देना महापाप है। कामनाओं को सीमित करें इसका कोई अंत नहीं। यह हृदय को पीड़ित करती हैं। सच्चा भाव ही सच्ची उपासना है। सच्चे हृदय से प्रेम व श्रद्धा पूर्वक की गई प्रार्थना को परमात्मा अवश्य ही सुनते हैं, चाहे व्यक्ति को वेद, शास्त्र, पुराणों का ज्ञान चाहे ना हो। आज हमारे परिवार की, देश की व

समाज की जो दुर्दशा हो रही है विभिन्न प्रयास करने के बावजूद उससे हम उबर नहीं पा रहे। प्रयास के साथ-साथ प्रभु से उनकी कृपा की याचना से परिपूर्ण भाव सहित प्रार्थना भी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सच्चा संत व महात्मा न तो अपने को संत और महात्मा मानता है ना घोषित करता है, और ना दूसरों के द्वारा कहे जाने पर उसे स्वीकार करता है। विनम्र या नम्रता की दृष्टि से नहीं, वह सर्वत्र भगवान की महिमा को देखते हैं और उसी में सहज स्थित रहता है, वह त्याग का भी त्यागी होता है, किसी प्रकार के गर्व, दर्प, अभिमान उसके पास फटक नहीं सकते। उन्होंने कहा कि जगत की यथासामर्थ सेवा तथा परमात्मा व संतों से प्रेम करो। संतो, शास्त्रों व अवतारों को मात्र अपनी कमियां छुपाने की ढाल ही ना बनाएं, उनसे प्रेरणा शिक्षाएं उपदेश भी ग्रहण करके अपने जीवन में उतारे। अधर्माचरण करने वाले कुमार्गगामी लोगों का संग त्याग कर, जितेंद्रिय, श्रेष्ठ महापुरुषों का संग व उनकी सेवा करके अपने जीवन को कल्याणमय बनाएं। क्योंकि सत्पुरुषों का आचरण व कार्य सदैव अनुकरणीय होता है।

अपने धारा प्रवाह प्रवचनों से उन्होंने सभी भक्तों को मंत्रमुग्ध व भाव विभोर कर दिया। सारा वातावरण भक्तिमय हो उठा व श्री गुरु महाराज, कामां के कन्हैया व लाठी वाले भैया की जय जयकार से गूंज उठा।

जायका इंडिया का

पनीर बटर मसाला

पनीर के व्यंजन कई तरह से बनाए जाते हैं। उत्तर भारत में पनीर को मटर के साथ बनाना ज्यादा पसंद किया जाता है। अगर घर पर मटर न हों और पनीर को बटर यानी मक्खन और मसालों के साथ बनाया जाए तो, इसका स्वाद उँगलियाँ चाटने पर मजबूर कर देता है। पनीर और मक्खन सेहत के लिए भी फायदेमंद होते हैं। इसे बनाने में थोड़ा समय और मेहनत लगती है, लेकिन इसका जायका मन को संतुष्ट कर देता है।

सामग्री – पनीर 200-250 ग्राम, टमाटर तीन, प्याज दो, काजू पांच, मक्खन आधी टिक्की, अदरक दो इंच, लौंग तीन, दालचीनी एक इंच, तेजपत्ता एक, कसूरी मेथी एक चम्मच, धनिया पाउडर एक चम्मच, नमक स्वादानुसार।

विधि – सबसे पहले प्याज, अदरक, टमाटर और पनीर को काटकर अलग-अलग बर्तन में रख दें। साथ ही काजू को कद्दूकस कर लें। फिर एक कड़ाही में तेल गरम कर उसमें लौंग, दालचीनी और तेज पत्ता समेत अन्य साबुत मसाले डालें। इन्हें हल्का सा भूनने के बाद कटा हुआ प्याज और अदरक इसमें डाल दें। जब प्याज हल्का सुनहरे रंग का हो जाए तो टमाटर, कद्दूकस किए गए काजू और नमक उसमें डाल दें। साथ ही थोड़ा सा पानी भी डालें। इन्हें अच्छी तरह से मिला कर तीन-चार मिनट तक ढक्कन रख कर धीमी आंच पर पकाएं। फिर इसे दूसरे बर्तन में निकाल कर ठंडा होने के लिए रख दें। अब कड़ाही में मक्खन डाल कर उसमें साबुत लाल मिर्च, धनिया पाउडर और हल्दी हल्का सा भूनें। फिर इसमें मसाले और टमाटर-प्याज की तरी डाल दें। जरूरत भर पानी डालें। अब इसे अच्छे से मिला कर करीब तीन मिनट तक पकाएं। इसके बाद पनीर के टुकड़े इसमें डालें और धीमी आंच पर पांच मिनट तक पकाएं। अंत में मलाई, कसूरी मेथी और हरा धनिया इसमें मिला दें। अब बटर पनीर मसाला बन कर तैयार है।

जीरा चावल

यह उत्तर भारत समेत देश के कई हिस्सों में लोकप्रिय व्यंजन है। बासमती चावल को जब जीरे और देसी घी के साथ भून कर तैयार किया जाता है, तो इसका स्वाद लाजवाब हो जाता है। इसे बनाना बहुत आसान है और यह पाचन तंत्र को भी दुरुस्त रखता है। बच्चों से लेकर बड़े तक, सभी इसे पसंद करते हैं। इसे किसी भी मनपसंद दाल के साथ परोसा जा सकता है।

सामग्री – बासमती चावल 200 ग्राम, जीरा दो चम्मच, देसी घी दो-तीन चम्मच, हरा धनिया (बारीक कटा हुआ) दो चम्मच, कसूरी मेथी एक चम्मच, नमक स्वादानुसार ।

विधि – बासमती चावल को धोकर करीब बीस मिनट तक पानी में भिगोएं। अब एक बड़े बर्तन में जरूरत के मुताबिक पानी गर्म करें। जब इसमें उबाल आ जाए, तो उसमें देसी घी और आधा चम्मच नमक मिला कर भिगोए हुए चावल डाल दें। इन्हें बड़े चम्मच से अच्छी तरह से मिलाएं और धीमी आंच पर पकने दें। इन्हें तब तक उबालें, जब तक कि चावल पूरी तरह पक न जाए। फिर चावल से पानी छानकर निकाल दें और इन्हें ठंडा होने के लिए रख दें। फिर उसी कड़ाही में देसी घी गरम करें और उसमें जीरा तथा कसूरी मेथी के पत्ते हल्का सा भून लें। अब पके हुए बासमती चावल इसमें डाल दें। इसे करीब दो मिनट तक चम्मच से चलाते हुए धीमी आंच पर रहने दें। ध्यान रहे कि इस दौरान कड़ाही पर ढक्कन नहीं लगाएं, ताकि चावल में अगर पानी की मात्रा रह गई हो, तो वह सूख जाए। फिर इसमें बारीक कटा हुआ हरा धनिया मिलाएं और मनपसंद दाल के साथ इसे परोसें।

सेहत

दालचीनी : डायबिटीज मरीजों के लिए वरदान

सेहतमंद रहना कितना जरूरी होता है, यह बात हमें तब समझ आती है, जब हमारा स्वास्थ्य बिगड़ने लगता है। कई बार हम हेल्दी खानपान और लाइफस्टाइल दोनों को नजरअंदाज कर देते हैं। वहीं अपनी सेहत पर भी ध्यान नहीं देते हैं, जितना कि हमें देना चाहिए। लेकिन जब हम किसी बीमारी के शिकार हो जाते हैं तब हमें समझ आता है कि अच्छी सेहत किसी वरदान से कम नहीं है।

आज कम समय में करीब करीब हर दूसरा व्यक्ति शुगर, हाई बीपी, जोड़ों में दर्द, खून की कमी और नींद न आना जैसी समस्याओं से परेशान है। अधिकतर लोग इस बात को नहीं जानते हैं कि इनमें से करीब-करीब सभी कंडीशन्स में सही खानपान होना बेहद जरूरी होता है। अगर बात डायबिटीज की हो तो इसको मैनेज करने के लिए दवाओं के अलावा हेल्दी डाइट का भी अहम रोल होता है। बता दें कि हमारी रसोई में कई ऐसे मसाले होते हैं, जो ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में सहायता करता है।

ब्लड शुगर को कम कर सकती है

हेल्थ एक्सपर्ट की मानें, तो दालचीनी डायबिटीज को मैनेज करने में मदद कर सकती है। दालचीनी के इस्तेमाल से शरीर को इंसुलिन का बेहतर तरीके से इस्तेमाल करने में सहायता मिलती है। आयुर्वेद के मुताबिक दालचीनी ब्लड शुगर को कम कर सकती है और कफ बैलेंस करने के साथ डाइजेशन को सुधारती है। अगर आप रोजाना एक छोटा टुकड़ा दालचीनी को अपनी डाइट में शामिल करें। इससे आपका ब्लड शुगर लेवल बैलेंस करने में सहायता मिलेगी।

मेटाबॉलिक सिस्टम मजबूत करती है

दालचीनी इंसुलिन सेंसिटिविटी को सुधारती है, इससे सेल्स ग्लूकोज का सही तरह से इस्तेमाल कर पाती है। इसके सेवन से फास्टिंग ब्लड शुगर लेवल कम होता है और खाना खाने के बाद ब्लड शुगर लेवल स्पाइक भी नहीं होता है। दालचीनी एंटीऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होती है और इंसुलिन रेजिस्टेंस को कम करती है। यह सिर्फ ब्लड शुगर को कंट्रोल नहीं करती है, बल्कि पूरे मेटाबॉलिक सिस्टम को मजबूत करती है।

डाइट में ऐसे शामिल करें दालचीनी शामिल

दिनभर में आधा चम्मच दालचीनी पाउडर का इस्तेमाल काफी रहेगा। आप चाहें तो खाली पेट दालचीनी की चाय पी सकते हैं। खाने के बाद दालचीनी के एक छोटे से टुकड़े को चबाएं , इससे डाइजेशन बेहतर होगा और शुगर भी कंट्रोल में रहेगी। सलाद और फलों के ऊपर दालचीनी पाउडर को छिड़ककर खाएं। दालचीनी की काढ़ा पीना भी फायदेमंद होगा। दालचीनी का सेवन किसी भी समय किया जा सकता है लेकिन सुबह के समय इसको लेना ज्यादा लाभकारी रहेगा। ध्यान रहे कि दालचीनी सीमित मात्रा में लेनी है।

NIKHIL
ADHESIVES LTD.
Mahacol®
SINCE 1971
महाशिवरात्रि
की शुभकामनाएं
PV STICK
SUPER HEATFIT
N3
MICA SPECIAL
JALVEER
MAHAQUICK
MP
German Technology

श्री विश्वकर्मा जयंती महोत्सव पर पूजे गए देव शिल्पी

मुंबई। विश्वकर्मा समाज की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं की ओर से 31 जनवरी को श्री विश्वकर्मा जयंती महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वकर्मा समाज, कारीगर व श्रमिक वर्ग ने औजारों की साफ सफाई कर भगवान विश्वकर्मा की पूजा कर जीवन में सुख समृद्धि की कामना की। श्री सौराष्ट्र गुर्जर सुतार ज्ञाति मंडल संस्था की ओर से कांदिवली (पश्चिम) एकता नगर स्थित श्री श्याम सत्संग भवन में श्री विश्वकर्मा जयंती महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सायं 4 बजे विश्वकर्मा पूजन के बाद महाआरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस अवसर पर संस्था की ओर से मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। संस्था की ओर से आयोजित रक्तदान शिविर में भी लोगों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया।

विश्वकर्मीय लोहार सेवा संघ की ओर से 58 वां भगवान श्री विश्वकर्मा पूजोत्सव का आयोजन परेल स्थित राष्ट्रीय मिल मजदूर हॉल में किया गया। समारोह में बतौर अतिथि समाज के उद्यमी मंदार कातलकर,आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली, ओबीसी बहुजन आघाडी मुंबई राज्य अध्यक्ष शांताराम दिघे, बेस्ट प्रशासन के सेवानिवृत्त अधिकारी ज्ञानेश्वर टमके उपस्थित रहे। विश्वकर्मीय लोहार सेवा संघ के अध्यक्ष सुहास चारकारी, उपाध्यक्ष प्रवीण कातलकर, नितिन पनवलकर, कोषाध्यक्ष जयेश कातलकर, लेखाकार नितिन कुडतरकर, निधि कोलंबकर, संजय कोलंबेकर आदि पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर अनंत कोलंबेकर को लोहार भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

श्री विश्वकर्मा जांगिड़ सेवा समिति संस्था की ओर से श्री विश्वकर्मा जयंती समारोह का आयोजन भायंदर (पश्चिम)

पपैया ग्राऊंड में किया गया। सुबह विश्वकर्मा पूजन व हवन के बाद भजन कीर्तन की प्रस्तुति की गई। विद्यार्थियों को पारितोषित करने के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित की गई जिसमें बच्चों के नृत्य को उपस्थित लोगों ने सराहा।

श्री विश्वकर्मा वेलफेयर ट्रस्ट की ओर से श्री विश्वकर्मा प्राकट्य महापूजा महोत्सव का आयोजन कांदिवली (पूर्व) वडारपाडा स्थित श्री विश्वकर्मा मंदिर में किया गया। सुबह पूजा हवन के बाद सुंदरकांड पाठ के बाद भजन कीर्तन प्रस्तुत किया गया। विश्वकर्मा समिति मुंबई संस्था की ओर से सांताक्रुज (पूर्व) कालीना स्थित विश्वकर्मा समिति कम्पाउंड में श्री विश्वकर्मा जयंती उत्सव मनाया गया। पूजा अनुष्ठान के बाद दिवंगत पूर्व उप मुख्यमंत्री अजित पवार को श्रद्धांजलि दी गई।

श्री विश्वकर्मा चेरिटेबल ट्रस्ट संस्था की ओर से भायंदर (पूर्व) स्थित सुथार वाड़ी, न्यू गोल्डन नेस्ट रोड, इंद्रलोक में 36 वां विश्वकर्मा जयंती समारोह का आयोजन किया गया। दो दिवसीय महोत्सव में दीप प्रज्ज्वलन, सत्संग जागरण, महाप्रसाद के बाद अतिथि सत्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री विश्वकर्मा वंश सुथार चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से भायंदर (पूर्व) स्थित नवघर रोड नाका, श्री विश्वकर्मा धाम में श्री विश्वकर्मा जयंती महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह 8 बजे कलश यात्रा, वरघोड़ा शोभायात्रा से हुआ। दीप ज्योति उत्सव मूर्ति श्रृंगार, दर्शन, महाआरती के बाद महाप्रसाद में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

श्री विश्वकर्मा सेवा संस्था की ओर से भांडूप (पश्चिम) पाटकर कंपाउंड, तुलसी पाड़ा विश्वकर्मा मंदिर में पूजा अर्चना एवं आरती के बाद भक्तों के बीच प्रसाद वितरित की गई। इस अवसर पर शिव शक्ति महिला मंडल की ओर से कैलाश पार्क 90 फीट रोड में भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। श्री विश्वकर्मा कल्याण मंडल ने कुर्ला (पश्चिम) हलाव पुल, मसरानी लेन स्थित विश्वकर्मा कंपाउंड में सार्वजनिक श्री विश्वकर्मा जयंती का आयोजन किया। यहां पर पूजा हवन अनुष्ठान के बाद प्रसाद वितरित की गई जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया।

HARRISON®
Glorious 75+ Years

बनो हरीसन का
Mr. आनंद
रहो हमेशा आनंद में

आज ही रजिस्टर करें और पाएं
अनेको उपहार

कारपेंटर भाईयों के लिए आकर्षक उपहार

नॉट:- ऊपर दर्शायी गई फोटो सिर्फ उपहार को दर्शाने हेतु है मिलने वाला उपहार इनमे से भिन्न हो सकता है : रंग मॉडल इत्यादि।

टोल फ्री नम्बर : 1-800-572-5795

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:-
www.harrisonlocks.com | email : Info@harrisonlocks.com

9599281937

Harrison Rewards सिर्फ स्कीम नहीं, कारपेंटर के सपनों को साकार करने वाला ऐसा मंच है जहाँ मेहनत बनती है पहचान और इनाम।

Harrison चुनो, Winner बनो!

बाइक विजेता

Harrison Rewards Scheme ने हमारे मेहनती कारपेंटर साथियों को आगे बढ़ने का शानदार मौका दिया। सभी प्रतिभागियों ने पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ स्कीम में भाग लिया, जिसके बदले कंपनी ने उन्हें मोबाइल फोन और बाइक जैसे आकर्षक इनाम देकर सम्मानित किया। यह इनाम उनके बेहतरीन काम, समय पर प्रोजेक्ट पूरा करने और Harrison ब्रांड पर भरोसे का नतीजा है। उनकी जीत यह साबित करती है कि जो कारपेंटर लगन से काम करता है और स्कीम में सक्रिय रहता है, वह अपनी किस्मत बदल सकता है। अब बहुत जल्द Harrison की नई Rewards Scheme शुरू होने वाली है, जिसमें हर कारपेंटर भाग ले सकता है। पंजीकरण करें, Harrison के प्रोडक्ट इस्तेमाल करें और एक्टिव रहें। Harrison का मकसद सिर्फ प्रोडक्ट बेचना नहीं, बल्कि हर कारपेंटर को पहचान, सम्मान और बेहतर भविष्य देना है।

फ़ोन विजेता

फ़ोन विजेता

HARRISON®
Glorious 75+ Years

कारपेंटर भाइयों के लिए खुशखबरी

हरीसन के साथ काम करें, हर प्रोडक्ट पर QR स्कैन करें और आकर्षक इनाम पाएं

बनो हरीसन का
Mr. आनंद
रहो हमेशा आनंद में

आपकी मेहनत के लिए, नया सहारा
कारपेंटर भाइयों के लिए नई सौगातें!

कोलकाता प्रदर्शनी में हरीसन से जुड़े कारपेंटर भाइयों ने मिलकर एक प्रदर्शनी स्टॉल बनाया

30, 31 जनवरी & 01 फरवरी 2026 | स्टॉल- बी 3, हॉल- A

MATECIA
BUILDING PRODUCTS EXHIBITION

कोलकाता में आयोजित प्रतिष्ठित प्रदर्शनी के दौरान Harrison से जुड़े हमारे कारपेंटर भाइयों ने मिलकर एक ऐसा प्रदर्शनी स्टॉल तैयार किया, जिसने हर आने वाले विज़िटर का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। यह स्टॉल सिर्फ एक संरचना नहीं था, बल्कि वर्षों की मेहनत, अनुभव और हुनर का जीवंत उदाहरण था।हर एक कारपेंटर ने अपनी कला, समय और जुनून को इस स्टॉल में झोंक दिया, जिससे यह पूरे एग्ज़ीबिशन में सबसे अलग और सबसे बेहतरीन बनकर उभरा। स्टॉल का डिज़ाइन, फिनिशिंग और प्रेज़ेंटेशन इतना प्रभावशाली था कि हर कोई इसकी तारीफ किए बिना रह नहीं पाया।यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि जब Harrison परिवार के कारपेंटर भाई एकजुट होकर काम करते हैं, तो वे सिर्फ स्टॉल नहीं, बल्कि भरोसे और क्वालिटी की पहचान बनाते हैं।

हरीसन प्रोडक्ट पॉइंट अर्जित करने का तरीका किया और भी आसान

मात्र क्यू आर कॉड को स्कैन करने पर पाए उपहार

हरीसन का नया QR स्कैनिंग फीचर – कारपेंटर्स के लिए आसान इनाम!
देश के भरोसेमंद ब्रांड हरीसन ने कारपेंटर्स के लिए QR स्कैनिंग फीचर लॉन्च किया है, जिससे उपहार जीतना अब और भी आसान हो गया है।
कारपेंटर्स को हरीसन प्रोडक्ट की पैकिंग में दिए गए QR कोड को स्कैन करना है, और उनके रजिस्टर्ड प्रोफाइल पर पॉइंट्स अपने आप जुड़ जाएंगे। अब प्रोडक्ट की कटिंग संभालने की जरूरत नहीं, बस स्कैन करें और इनाम पाएं।
यह पहल कारपेंटर्स की सहूलियत और प्रोत्साहन के लिए की गई है। हरीसन हमेशा अपने कारीगरों के साथ खड़ा है!

उपहार जीतने की प्रक्रिया

- स्टेप 1: मोबाइल मे हरीसन सुविधा एप्लीकेशन डाउनलोड करे, और अपनी ID बनाकर लॉगिन करे।
- स्टेप 2: प्रोडक्ट पैक के अंदर लगे QR CODE को सुविधा एप्लीकेशन मे स्कैन करे और MRP के बराबर पॉइंट इक्ठ्ठा करे।
- स्टेप 3: दिये गये 7 उपहार के आधार पर अपने पॉइंट REDEEM करे, और उपहार जीते

Suvidha
iSoftCare Technology

प्ले स्टोर पर (HARRISON SUVIDHA APP) सर्च कर के हरीसन लोगो एप्लीकेशन अपने फ़ोन मे इनस्टॉल करे।

Advt

कारपेंटर्स न्यूज के प्रवेशांक का विमोचन

समाज को जोडने में अखबार की भूमिका महत्वपूर्ण

जम्मू। कारपेंटर्स न्यूज मासिक समाचार पत्र के 21वें प्रवेशांक विमोचन अवसर पर विश्वकर्मा लाइब्रेरी के वाइस चेयरमैन समाजसेवी बलवंत कटारिया ने कहा कि समाज में अखबार की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

जम्मू से 15 किमी दूर अखनूर की तरफ मिश्रीवाला स्थित श्री विश्वकर्मा मंदिर प्रांगण में आयोजित विमोचन समारोह में कटारिया ने कहा कि किसी भी समाज का उत्थान तभी संभव है जब उसका अपना मीडिया हो। अखबार से समाज में हो रहे बदलाव की जानकारी आम लोगों तक पहुंचती है। अखबार समाज और जनता के बीच सेतु का काम करता है। उन्होंने कहा कि कारपेंटर्स न्यूज में फर्नीचर निर्माण से संबंधित जानकारी के अलावा सामाजिक, धार्मिक और मनोरंजन क्षेत्र से जुड़ी जानकारी होती है यह परिवार के बीच हर वर्ग के बीच पढ़ा जाने वाला समाज का अखबार है। उन्होंने कहा कि देश में विश्वकर्मा समाज के कई समाचार पत्र, पत्रिकाएँ प्रकाशित होती है जिससे साबित होता है कि हमारा समाज हर क्षेत्र में तेजी से विकास कर रहा है।

इस अवसर पर जम्मू से जोगेंद्र अंगोत्रा, ओमप्रकाश कटारिया, मंगलदास, रसपाल सिंह, पुरुषोत्तम चारगोत्रा, विजय कुमार, कमल किशोर, कमल पुजारी, मुंबई से मोतीलाल विश्वकर्मा, दिनेश विश्वकर्मा, अनिल विश्वकर्मा, काशीनाथ गुप्ता, नरेश आदि सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

परली से प्रदूषण पर काबू, किसानों की आय में होगी बढ़ोतरी

मुंबई। उत्तर भारत, विशेषकर दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में बढ़ते वायु प्रदूषण से लोग परेशान हैं। इस गंभीर समस्या का समाधान बताते हुए प्रसिद्ध वैज्ञानिक और रासायनिक विशेषज्ञ पद्मभूषण डॉ. जे. बी. जोशी ने परली से ऊर्जा उत्पादन पर जोर दिया। डॉ. जोशी ने कहा कि देशभर में हर वर्ष लगभग 600 मिलियन टन पराली उत्पन्न होती है। यदि इसे आधुनिक तकनीक के माध्यम से कोयला और गैस में परिवर्तित कर दिया जाए तो कोयला और तेल के आयात में भारी कमी लाई जा सकती है। इससे न केवल प्रदूषण कम होगा, बल्कि किसानों की आय में प्रति वर्ष पांच लाख रुपये तक की वृद्धि संभव है।

प्रोग्रेसिव चेंबर्स ऑफ कॉमर्स की ओर से ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर मुंबई में आयोजित विकसित भारत 2047 विषयक सम्मेलन में डॉ. जोशी ने कहा कि अब शिकायतों का नहीं, बल्कि समाधानों का समय है। देश के विकास के लिए ऊर्जा की सबसे अधिक आवश्यकता है और पारंपरिक कोयले के साथ-साथ वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों पर भी ध्यान देना जरूरी है। उन्होंने कोकण के सिंधुदुर्ग में काजू के कचरे से ऊर्जा उत्पादन पर चल रहे अपने प्रोजेक्ट की जानकारी भी दी। डॉ. जोशी ने कहा कि स्वदेशी तकनीक के बल पर ही देश आगे बढ़ सकता है।

सौमया विश्वविद्यालय के प्रमुख प्रो. अजय कपूर ने कहा कि तकनीक में निवेश के साथ साथ दैनिक जीवन को भी सरल बनाना होगा, तभी देश को विकसित कहा जा सकेगा। उन्होंने नए ऊर्जा स्रोतों के साथ साथ ऊर्जा संरक्षण पर भी समान रूप से ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया।

इस विचार-विमर्श का संचालन डॉ. ए. के. नायक ने किया। उन्होंने कहा कि यदि भारत को वास्तव में विकसित राष्ट्र बनना है, तो वर्तमान की तुलना में चालीस गुना अधिक ऊर्जा की आवश्यकता होगी और यह ऊर्जा पर्यावरण के अनुकूल भी होनी चाहिए। कार्यक्रम की शुरूआत पद्मभूषण प्रो. जे. बी. जोशी, डॉ. सुदीप गुप्ता, प्रो. अजय कपूर, रंजय शरण, उमेश रुस्तगी, डॉ. ए. के. नायक, पीसीसी के चेयरमैन राम शुक्ला और सचिव शैलेश तिवारी द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई। नेहरू साइंस सेंटर के निदेशक उमेश रुस्तगी ने कहा कि यह कॉन्क्लेव विज्ञान, उद्योग और समाज को जोड़ने वाला मंच है, जो ऊर्जा संरक्षण को जन आंदोलन की दिशा में आगे बढ़ाता है।

40 हजार से अधिक श्रमिक बुलाएगा रूस

नई दिल्ली। रूस में कामगारों की भारी कमी को देखते हुए वहां की सरकार भारत से ज्यादा मजदूर और कामगार बुलाने की योजना बना रही है। मीडिया खबरों के मुताबिक इस साल करीब 40,000 भारतीय नागरिक काम के लिए रूस जा सकते हैं। डीडब्ल्यू. कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल के अंत तक 70,000 से 80,000 भारतीय नागरिक पहले से ही रूस में काम कर रहे थे। पिछले साल दिसंबर में भारत और रूस के बीच दो अहम समझौतों पर हस्ताक्षर हुए थे। इन समझौतों का मकसद भारत के अर्ध-कुशल और कुशल कामगारों को रूस में काम करने के बेहतर अवसर देना है। ये समझौते हैं, एक देश के नागरिकों को दूसरे देश में अस्थायी रूप से काम करने की अनुमति और अवैध प्रवासन से निपटने में सहयोग। इन समझौतों से भारतीय कामगारों को रूस में नौकरी मिलने का एक सुरक्षित ढांचा मिलेगा, ताकि उन्हें पहले की तरह धोखाधड़ी या गलत तरीकों का सामना न करना पड़े।

यूपी विधानसभा अध्यक्ष के लिए खास कुर्सी

लखनऊ। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की कुर्सी बदल गई है। बजट सत्र के पहले दिन यह कुर्सी आकर्षण का केंद्र बनी। उनकी यह कुर्सी कर्नाटक से खास डिजाइन कराई गई है। वहां के कुशल कारीगरों द्वारा इसे तराशा गया है। इस कुर्सी का डिजाइन कर्नाटक स्पीकर की कुर्सी से काफी मिलता-जुलता है।

यूपी अध्यक्ष की कुर्सी का डिजाइन चारों तरफ से खुला है। कुर्सी का मुख्य स्ट्रक्चर एक जैसा होगा, इसमें यूपी का प्रतीक चिन्ह लगाया गया है। महाना बेंगलुरु दौरे के समय कर्नाटक विधानसभा गए थे और उन्होंने स्पीकर की कुर्सी की तारीफ की थी। यह कुर्सी शीशम की लकड़ी से बनाई गई है।

वार्षिक दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, मेधावी विद्यार्थी सम्मानित

जम्मू। पिंटो न्यू लाइट एकेडमी सुनैल, जोन अखनूर ने संस्थापक सदस्य बिहारी लाल वर्मा की अध्यक्षता में वार्षिक दिवस समारोह और पुरस्कार वितरण के लिए एक प्रभावशाली समारोह का आयोजन किया गया। बतौर मुख्य अतिथि विजय शर्मा ने कहा कि इस तरह की गतिविधियां बच्चों को कला और खेल में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच प्रदान करती हैं। उन्होंने सांस्कृतिक प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि यह बहुत अच्छा है क्योंकि बच्चों ने सह-पाठ्यचर्या संबंधी

गतिविधियों में अपनी प्रतिभा दिखाई है। स्कूल के प्रधानाचार्य बलवंत कटारिया ने अभिभावकों को आश्वासन दिया कि उनके बच्चे अच्छे स्कूल में हैं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा संस्थान की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि गरीब और बीपीएल बच्चों का विशेष ख्याल रखा जा रहा है। स्कूल वाईफाई और सीसीटीवी से सुसज्जित है और कंप्यूटर प्रशिक्षण अनिवार्य कर दिया गया है। इस अवसर पर सम्मानित अतिथि महेश पंगोत्रा ने भी विचार रखे।

विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। स्वागत भाषण बबली दवी ने दिया, उन्होंने बताया कि स्कूल की स्थापना 1990 में ग्रामीण क्षेत्र में कक्षा नर्सरी से 8वीं तक आधुनिक शिक्षा के लिए की गई थी। अब स्कूल में विद्यार्थियों की संख्या 140 है। पीएनएलए के छात्रों ने प्रत्येक वर्ष अपनी बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। विभिन्न गतिविधियों के लिए सम्मानित होने वाले छात्रों में सत्र 2024-25 में 8वीं कक्षा में 91.5% अंकों के साथ स्कूल के टॉपर कामिया भगत, चेरी राजपूत, कन्नव शर्मा, हर्षिका वर्मा और हिमानी अंगुराल शामिल हैं। 8वीं कक्षा में डिस्टिंक्शन हासिल करने वाले अन्य लोग रिधिमा छिब्बर आदि थे।

फायदों के साथ जोड़ो

EURO 7000 Wood Adhesive

पक्का Rishta Dealers' Meet

TAJ, MUMBAI

300+ Dealers

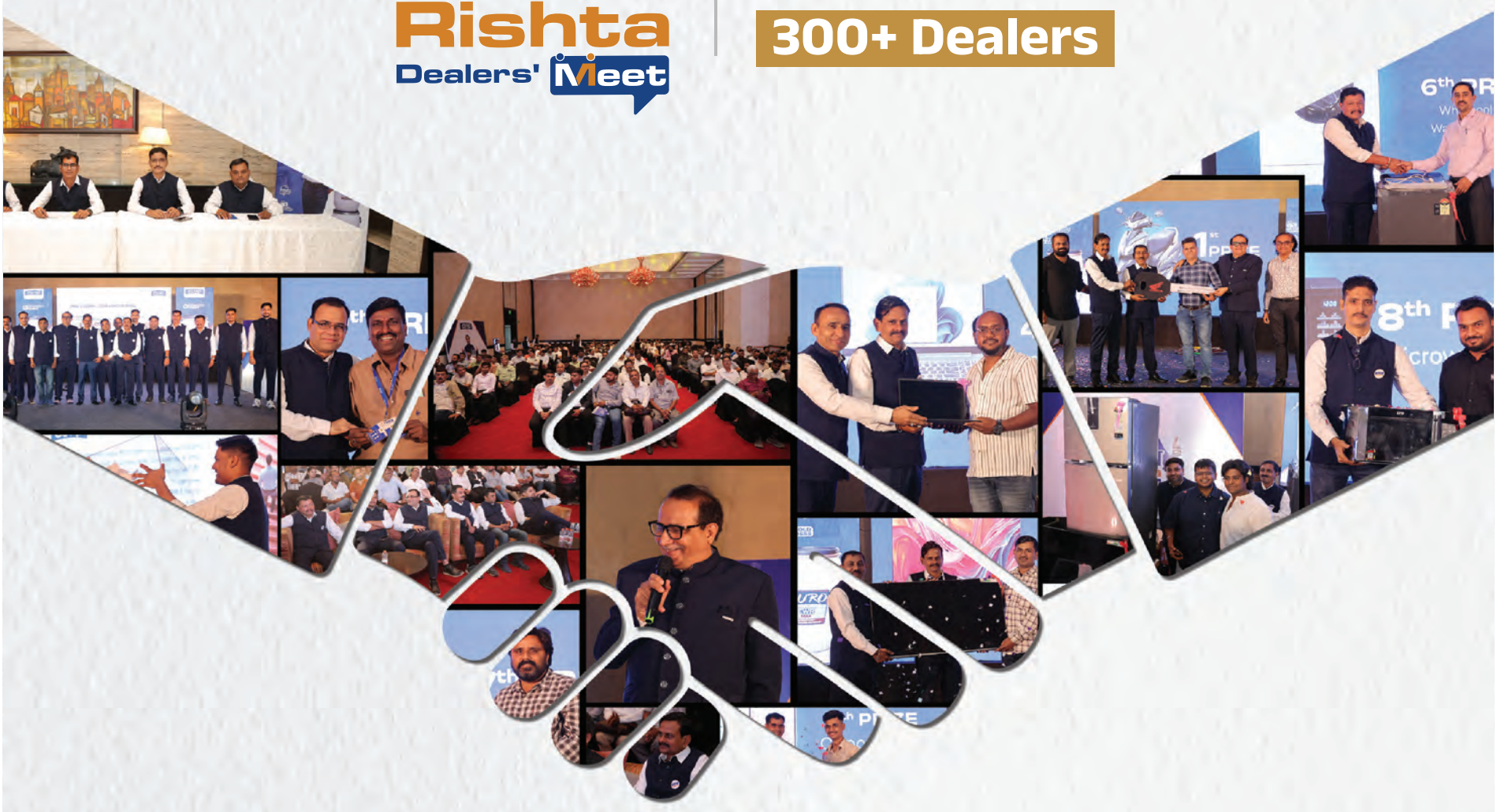

फिर ज़रूर मिलेंगे...

तब कहते हैं जब एक **MEETING** सिर्फ़ दिलचस्प नहीं, फ़ायदेमंद हो। जब **PROFESSIONAL** बातचीत पल भर में **PERSONAL** बन जाए और हर **CONVERSATION** में **GROWTH, फ़ायदा और PARTNERSHIP** साफ़ नज़र आए। जब इतना ज़्यादा मन लग जाए कि ज़ेहन में बस एक ही बात चले - फिर ज़रूर मिलेंगे, नए **फायदों के साथ जुड़ने।**

JYOTI RESINS AND ADHESIVES LIMITED

Email: inquiry@euroadhesives.com | www.euroadhesives.com | Follow us

भारतीय महिलाएं असली हीरो

अपनी हालिया रिलीज फिल्म मदार्नी 3 में दमदार किरदार निभाकर सुर्खियां बटोर रहीं रानी मुखर्जी का मानना है कि महिलाएं ही असली हीरो होती हैं, महिलाएं सशक्त हैं तो देश भी मजबूत रहेगा। अभिनेत्री ने कहा है कि वह हमेशा भारतीय महिलाओं को सबसे अच्छी रोशनी में दिखाना चाहती हैं। अपनी फिल्मों के माध्यम से उन्होंने मजबूत, साहसी और सशक्त महिलाओं के किरदार निभाए हैं, जो समाज में प्रेरणा का स्रोत बनते हैं। उन्होंने कहा कि जब से मैंने इस इंडस्ट्री में काम शुरू किया है, मैंने हमेशा भारतीय महिलाओं को सबसे अच्छी रोशनी में दिखाने की कोशिश की है। चाहे वह पत्रकार हो, पुलिस अधिकारी हो, टीचर हो या हाउस वाइफ, मेरे लिए वे असली हीरो हैं, असली मदार्नी हैं। मैं पूरी दुनिया को दिखाना चाहती हूं कि भारतीय महिलाएं कितनी खास हैं, कितनी मजबूत और सशक्त हैं। महिलाओं का सशक्तिकरण देश की ताकत से सीधे जुड़ा है। जब भारतीय महिलाएं सशक्त होंगी, तभी हमारा देश मजबूत बन पाएगा। इसीलिए मेरी फिल्मों का चुनाव हमेशा इसी सोच के साथ रहता है।

अपने करियर की शुरूआत से ही रानी ने ऐसे रोल चुने हैं, जो महिलाओं की ताकत को उजागर करते हैं। पहली

फिल्म राजा की आएगी बारात में रेप सर्वाइवर का किरदार, मेहंदी में सामाजिक अन्याय से लड़ने वाली महिला, हिचकी में टॉरेट सिंड्रोम से जूझ रही टीचर, मदार्नी सीरीज में निडर पुलिस अधिकारी शिवानी शिवाजी रॉय, और मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे में बच्चों के लिए पूरे देश से लड़ने वाली मां देबिका चटर्जी, इन सभी किरदारों ने महिलाओं की हिम्मत और संघर्ष को दिखाया है। रानी ने कहा कि हर भारतीय महिला के अंदर एक अनोखी ताकत या सुपर पावर होती है। मैं दिखाना चाहती हूं कि भारतीय महिलाएं कितनी खास हैं। वे अपने कर्तव्यों को खूबसूरती से निभाती हैं, पारिवारिक जीवन को ग्रेस के साथ बैलेंस करती हैं। यही यूनिफॉर्म वाली महिलाओं और पावरफुल पदों पर बैठी महिलाओं का सबसे प्रेरणादायक पहलू है। वह रोजमर्रा की जिंदगी में चुनौतियों का सामना करने वाली उन महिलाओं की तारीफ करती हैं जो हिम्मत से आगे बढ़ती रहती हैं। नेशनल अवॉर्ड विजेता रानी ने कहा कि ये महिलाएं अपने अंदर बहुत ज्यादा ताकत लेकर रोज की जिंदगी जीती हैं और रास्ते की हर मुश्किल को पार करती हैं। मैं उन सभी से बहुत ज्यादा प्रेरित हूं। मेरे निभाए हर किरदार से मुझे प्रेरणा मिली है। उन्होंने मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे की देबिका का उदाहरण देते हुए कहा कि ये पावरफुल और मजबूत महिलाएं आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती हैं। एक आर्टिस्ट के तौर पर रानी का मानना है कि उनका रोल इन महिलाओं को जिंदा करना है, ताकि दुनिया भर के लाखों लोग देख सकें कि वे क्या करती हैं और कितनी प्रेरणादायक हैं।

बड़े बैनर्स की पहली पसंद बन रहे विशाल जेठवा

यशराज फिल्म्स की सैयारा से चर्चा में आईं अनीत पड्डा और मदार्नी 2 व होमबाउंड से पहचान बना चुके विशाल जेठवा तेजी से बड़े बैनर्स की पहली पसंद बनते जा रहे हैं। अब ये दोनों कलाकार पहली बार मैडॉक फिल्म्स के हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स में एक साथ नजर आने वाले हैं। दिनेश विजन और अमर कौशिक के सुपरहिट यूनिवर्स में अगली पेशकश शक्ति शालिनी होगी। यह फिल्म अनीत को एक महिला प्रधान सुपरनैचुरल किरदार में पेश करेगी, जबकि विशाल उनके लव इंटरेस्ट की भूमिका निभाएंगे। हालांकि यह रिश्ता सिर्फ रोमांस तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कहानी को नैतिक गहराई और भावनात्मक आधार भी देगा। अक्टूबर 2024 तक इस प्रोजेक्ट से कियारा आडवाणी का नाम जुड़ा था, लेकिन अब फिल्म अनीत के खाते में है। मार्च 2026 से शूटिंग शुरू होने की संभावना है। शक्ति शालिनी को मुंज्या फेम आदित्य सरपोतदार डायरेक्ट करेंगे। यह फिल्म चंबल और आस-पास की लोककथाओं पर बेस्ड होगी। जहां स्त्री में रहस्य और

मुंजा में शरारत थी, वहीं इस बार फोकस हाई-ऑक्टेन एक्शन और दैवीय शक्तियों पर होगा। अनीत का किरदार एक ऐसी युवती का है, जिसे धीरे-धीरे अपनी असाधारण शक्तियों का एहसास होता है। अनीत और विशाल इससे पहले काजोल स्टारर सलाम वेंकी में साथ काम कर चुके हैं, लेकिन वहां दोनों का कम रोल था, लेकिन शक्ति शालिनी में उन्हें पहली बार पूरी स्पेस देगी। विशाल के लिए भी यह ऐसी फिल्म होगी, जहां वह लीड हीरो हैं। इस जोड़ी का कॉम्बिनेशन ऐसा है कि एक तरफ उभरता स्टारडम है तो दूसरी तरफ मजबूत अभिनय। करियर के इस अहम मोड़ पर भी अनीत अपनी पढ़ाई को भी प्राथमिकता दे रही हैं।

हाउसवाइफ में नजर आएंगी आलिया

आलिया भट्ट इन दिनों एक्शन फिल्म अल्फा और पीरियड रोमांस लव एंड वार को लेकर चर्चा में हैं। अब खबर है कि एक्ट्रेस जल्द ही हाउसवाइफ का हिस्सा भी होंगी। यह एक रिश्तों पर आधारित ड्रामा फिल्म है और इसे दृश्यम 2 के निर्देशक अभिषेक पाठक प्रोड्यूस कर रहे हैं। आलिया भट्ट फिल्म में हाउसवाइफ का किरदार निभाएंगी। फिल्म में लीड एक्टर के तौर पर राजकुमार राव से बातचीत चल रही है, लेकिन अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। आलिया भट्ट केवल मुख्य भूमिका निभाएंगी ही नहीं, बल्कि अपनी प्रोडक्शन कंपनी, एटरनल सनशाइन प्रोडक्शन के तहत इस फिल्म की को-प्रोड्यूसर भी होंगी। वह इस प्रोजेक्ट में अभिषेक पाठक की पैनोरमा स्टूडियो के साथ भी सहयोग करेंगी। फिल्म की शूटिंग इस साल अगस्त-सितंबर में शुरू होने की संभावना है। यह प्रोजेक्ट तब शुरू होगा जब अभिषेक पाठक अपनी नई फिल्म दृश्यम 3 की शूटिंग पूरी कर लेंगे। इसके अलावा आलिया भट्ट 2027 के लिए कई अन्य प्रोजेक्ट्स पर भी बातचीत कर रही हैं, जिनमें मैडॉक फिल्म्स की हॉरर-कॉमेडी फिल्म चामुंडा भी शामिल है। आलिया की अगली फिल्म अल्फा होगी, जो शिव रावल के निर्देशन में बनने वाला एक हाई-ऑक्टेन एक्शन थ्रिलर है। इस फिल्म में वह एलिट ऑल-वुमेन कॉम्बैट यूनिट की कमांडिंग ऑफिसर का किरदार निभाएंगी, जिसमें उनके साथ शर्वरी वाघ भी हैं। इसमें बॉबी देओल भी अहम भूमिका में होंगे। यह फिल्म कब रिलीज होगी इसको लेकर अब तक कोई भी ऑफिशियल जानकारी सामने नहीं आई है। इसके अलावा आलिया भट्ट को फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वार में रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ भी देखा जाएगा।

कॉमेडी की ओर लौटेंगे वरुण

वरुण धवन इन दिनों गंभीर सिनेमा और हल्की-फुल्की कॉमेडी के बीच बैलेंस बना रहे हैं। बॉर्डर 2 से उन्होंने अपनी अभिनय क्षमता का विस्तार किया है, वहीं है जवानी तो इश्क होना है के जरिए वे एक बार फिर उसी मास ऑडियंस से जुड़ेंगे। इस फिल्म से वरुण एक बार फिर अपनी जड़ों की ओर लौटते दिख रहे हैं। है जवानी तो इश्क होना है एक शुद्ध मसाला कॉमेडी है, जिसे उनके पिता और कॉमेडी किंग डेविड धवन निर्देशित कर रहे हैं। मैं तेरा हीरो, जुड़वां 2 और कुली नंबर 1 के बाद यह पिता-पुत्र की चौथी फिल्म होगी, जिससे दर्शकों को

एक बार फिर क्लासिक डेविड स्टाइल एंटरटेनमेंट की उम्मीद है। ये फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म में पूजा हेगड़े और मृणाल ठाकुर भी मुख्य भूमिकाओं में हैं, वहीं मृणाल का हालिया प्रेग्नेंट लुक फिल्म की कहानी में बड़े ट्विस्ट का संकेत देता है। मृणाल के पास आने वाले समय में कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। वह जल्द ही दो दीवाने शहर में नजर आएंगी। इसमें उनके साथ सिद्धांत चतुर्वेदी हैं। इस फिल्म को संजय लीला भंसाली प्रोड्यूस कर रहे हैं। कहानी एक ऐसे युवक के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी प्रेम कहानी हर बार असफल हो जाती है और फिर उसे किस्मत बदलने के लिए मदद मिलती है। दिलचस्प बात यह है कि वरुण इस फिल्म में डबल रोल में नजर आएंगे। एक तरफ बॉय-नेक्स्ट-डोर लुक तो दूसरी ओर ज्यादा मैच्योर अवतार।

शाहिद रश्मिका एक और फिल्म में

शाहिद और रश्मिका आगामी फिल्म कॉकटेल 2 से चर्चा में है, जिसकी शूटिंग हाल ही में पूरी हुई। कृति सेनन भी फिल्म का हिस्सा हैं। इस बीच हालिया जानकारी में बताया गया है कि शाहिद और रश्मिका एक अन्य फिल्म के लिए भी साथ आ रहे हैं। दोनों से जब बिना टाइटल वाली आगामी फिल्म के लिए बातचीत की गई तो उन्होंने तुरंत हामी भर दी। शाहिद और रश्मिका बधाई हो और मैदान के निर्देशक अमित रविंद्रनाथ शर्मा की अगली फिल्म में साथ नजर आएंगे। यह अनाम फिल्म रोमांस और कॉमेडी का एक नया मिश्रण पेश करने का वादा करती है, जिसका निर्माण सुनीर खेत्रपाल, वर्मिलियन वर्ल्ड बैनर के तहत जियो स्टूडियोज के सहयोग से किया जाएगा। सुनीर इससे पहले जॉन अब्राहम स्टारर रॉकी हैंडसम, वरुण धवन की बदला और फर्रे जैसी फिल्मों का निर्माण कर चुके हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक-गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा द्वारा 306, दिघे नगर को आप हाउसिंग सोसायटी, फितवाला रोड, एलफिन्स्टन (वेस्ट), मुंबई-40013 से प्रकाशित एवं एस आर पब्लिकेशन, मोहन अर्जुन कम्पाउंड, गाला नम्बर-8, 9, 10, घर्टनपाढा, वैशाली नगर लास्ट बस स्टॉप, नियर भारत गैस गोडाउन, दहिसर (ईस्ट), मुंबई- 400068 से मुद्रित। संपादक - गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा* RNI NO. MAHHIN/2005/16460 मो. 09320566633. (सभी विवादों का निपटारा न्यायक्षेत्र केवल मुंबई न्यायालय के अधीन होगा. *पी. आर. बी. अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

शिव के प्रिय थे कुबेर

प्राचीन काल में कांपिल्य नगर में यज्ञदत नामक एक परम तपस्वी एवं सदाचारी ब्राह्मण रहते थे। वे संपूर्ण वेद-वेदांगों के ज्ञाता और सर्वदा श्रोत-स्मार्त कर्मों में प्रवृत्त रहते थे। उनके गुणनिधि नाम एक पुत्र हुआ, जो यज्ञोपवीत होने के अनंतर समस्त विद्याओं को पढ़कर पूर्ण विद्वान हो गया। दैववश कुसंग में पड़ने से उसे जुआ खेलने का दुर्व्यसन लग गया। वह अपने पिता से छिपाकर घर के आभूषण आदि चुरा ले जाता और जुए में हार जाता। जब यज्ञदत्त को उसके दुर्व्यसन का पता लगा तो उन्होंने उसे अपने घर से निकाल दिया।

घर से निकलकर गुणनिधि भोजन की खोज में संध्या-समय एक शिवालय में पहुंचा। उस दिन शिवरात्रि थी। वह वहां द्वार पर बैठकर शिव कीर्तन सुनने लगा। रात को जब सब लोग सो गए तो शिव भोग चुराने के लिए मंदिर में घुसा। उस समय दीपक की ज्योति क्षीण हो गई थी। इसलिए उसने अपना कपड़ा फाड़कर बत्ती जलाई और भोग चुराकर भागने लगा। इतने में उसके पैर के लग जाने से एक आदमी जाग पड़ा। गुणनिधि भागा ही जा रहा था कि वह पकड़ा गया और उसे प्राण दंड मिला। अपने कुकर्मों के कारण वह यमदूतों द्वारा बांधा गया। इतने में ही भगवान शिव के पार्षद वहां आ पहुंचे। उन्होंने बंधन से उसे छुड़ा लिया और कैलासपुरी में ले आए। आशुतोष भगवान शिव उसके अज्ञान में ही हो गए व्रत उपवास, रात्रि-जागरण, पूजा-दर्शन तथा प्रकाश के निमित्त जलाई गई वस्त्र वर्तिका को आर्तिक्य मानकर उस पर पूर्ण प्रसन्न हो गए और अपना शिवपद उसे प्रदान कर दिया। कालांतर में वह गुणनिधि भगवान की कृपा से कलिंगराज अरिदम का पुत्र हुआ और उसका नाम था दम। वह इस जन्म में भी निरंतर भगवान उमापती की सेवा-आराधना में लगा रहता था। बाद में वह कलिंग-देश का अधिपति हुआ। राजा दम ने बड़ी प्रसन्नता से श्रद्धापूर्वक शिव धर्मों का प्रचार किया। समस्त शिवालयों में दीपदान करने की आज्ञा उन्होंने लोगों को प्रदान की और ऐसा न करने पर दंड की भी व्यवस्था की। वे स्वयं भी इस नियम का नित्य पालन करते थे। आजीवन इस व्रत का पालन करते हुए उन्होंने बहुत-सी धर्म संपत्ति संचित कर ली। फिर वे काल धर्म के अधीन हो गए। शैवी-भक्ति के कारण वे अलकापुरी के अधिपति बने। पाद्मकल्प में पुलस्त्य के पुत्र विश्रवा के घर में उनका जन्म हुआ। विश्रवा के पुत्र होने से वेश्रवा कुबेर तथा इडविडा के गर्भ से उत्पन्न होने से ऐडविड कहलाए। इस उत्तम कुल में जन्म पाकर वे फिर शंभु की आराधना में लग गए और शिवलिंग का स्थापना कर कठिन तपस्या करने लगे। तप करते-करते हजारों वर्ष बीत गए और उनके शरीर में केवल अस्थि चर्म-मात्र शेष रह गया। उस तीव्र तप से प्रसन्न होकर भगवान शिव उमा सहित प्रकट हुए और कहने लगे हे वैश्रवण! तुम्हारी तपस्या से मैं प्रसन्न हूं और तुम्हारी अभिलाषा पूर्ण करने आया हूं। तुम अपना अभीष्ट वर मांगो।

ऐसा मधुर वचन सुनते ही वैश्रवण ने आंखें खोलीं, परंतु शिव जी के तीव्र तेज के प्रकाश से उनकी आंखें फिर बंद हो गईं और उन्होंने हाथ जोड़कर प्रार्थना की प्रभो! मुझे ऐसी शक्ति दीजिए जिससे मैं आपके चरणारविंदों का दर्शन कर सकूं। आपके दर्शन मात्र से मेरी अभीष्ट सिद्धि हो जाएगी।

तब शिव ने कृपा पूर्वक हाथ से उनका स्पर्श किया। स्पर्श करते ही उनकी दिव्य दृष्टि हो गई। आंख खुलते ही उनकी दृष्टि सबसे पहले परम सुंदरी गिरिजा पर पड़ी। अतएव वे क्रूरदृष्टि से उन्हीं को घूर-घूरकर देखने लगे। इसका फल यह हुआ कि उनकी बाईं आंख दृष्टि विहीन हो गई। पार्वती जी उनका यह दुर्व्यवहार देखकर कहने लगीं कि यह तापस तो बड़ा दुष्ट मालूम होता है, मुझे क्रूर दुष्टि से देख रहा है

शिव जी ने हंसकर कहा देवी! यह तो तुम्हारा पुत्र है, तुम्हें किसी बुरी भावना से नहीं देख सकता। यह तुम्हारी तपस्या के फल पर आश्चर्य करके तुम्हारी ओर निहार रहा है तदनंतर शिव जी वैश्रवण से बोले वत्स! मैं तुम्हारी तपस्या से बहुत संतुष्ट हूं और वर देता हूं कि तुम्हें निधियों का स्वामित्व प्राप्त हो और तुम गुक, यक्ष, किन्नर तथा पुण्य जनों के अधिपति हो जाओ, मेरे साथ तुम्हारी मित्रता रहेगी, तुम्हारी प्रसन्नता की अद्धिव्रिद्धि के लिए मैं तुम्हारी अलकापुरी के समीप ही निवास करूंगा। पार्वती जी ने भी अनेक वर दिए और कहा कि तुमने मेरे रूप को बुरी दृष्टि से देखा है, इसलिए तुम्हारा नाम कुबेर होगो तुम्हारे संस्थापित इस शिवलिंग का जो लोग विधिपूर्वक अर्चना करेंगे, वे कभी निर्धन नहीं होंगे और किसी प्रकार के पाप उन्हें नहीं लगेंगे।

ऐसा वर देकर भगवती पार्वती के साथ भगवान शिव अंतर्हित हो गए और कुबेर अलकापुरी का ऐश्वर्य पाकर परम संतुष्ट हुए। इस प्रकार भगवान शिव की आराधना तथा उनकी कृपा से उन्होंने उत्तर दिशा का आधिपत्य, अलका नाम की दिव्यपुरी, नंदनवन के समान दिव्य उद्या ननयुक्त चैत्ररथ नामक वन तथा एक दिव्य सभा प्राप्त की। साथ ही वे माता पार्वती के कृपापात्र और भगवान शिव के घनिष्ठ मित्र भी बन गए।

दुनिया के सबसे छोटे नदी द्वीप पर है शिव मंदिर

ब्रह्मपुत्र नदी के बीचों बीच पहाड़ी टापू पर भगवान शिव का मंदिर हिंदुओं का सबसे पवित्र धार्मिक स्थल है। दुनिया के सबसे छोटे नदी द्वीप पर बने इस मंदिर को उमानंद मंदिर के नाम से जाना जाता है। असमिया में उमा का अर्थ हिंदू देवी पार्वती और आनंद का अर्थ है प्रसन्नता कहा जाता है। मुख्य मंदिर तक पहुंचने के लिए खड़ी सीढ़ियां चढ़नी पड़ती है।

उमानंद मंदिर को कुशल असमिया कारीगरों ने खूबसूरती से बनाया है। भगवान शिव के अलावा यहां पर 10 अन्य हिंदू देवताओं के मंदिर हैं। उमानंद मंदिर तक पहुंचने के लिए गुवाहाटी या उत्तरी गुवाहाटी से नौकाओं या स्टीमर से पहुंचा जा सकता है। यह असम में सबसे अधिक देखे जाने वाले मंदिरों में से एक है जो भगवान शिव को समर्पित है। जिस पहाड़ पर यह मंदिर बना है उसे भस्मकला के नाम से भी जाना जाता है। उमानंद का ईंट मंदिर 1694 ई. में राजा गदाधर सिंह के आदेश पर बार फुकन गढ़ान्या हांडिक द्वारा बनवाया गया था, जो अहोम वंश के सबसे बड़े और सबसे शक्तिशाली शासकों में से एक थे। मूल मंदिर 1897 के विनाशकारी भूकंप से काफी क्षतिग्रस्त हो गया था जिसे बाद में एक अमीर स्थानीय व्यापारी द्वारा पुनर्निर्मित किया गया।

कहा जाता है कि भगवान शिव ने भयानंद के रूप में यहां निवास किया था। कालिका पुराण के अनुसार सृष्टि के आरंभ में शिव ने इस स्थान पर भस्म छिड़की थी और पार्वती को ज्ञान प्रदान किया था। ऐसा कहा जाता है कि जब शिव इस पहाड़ी पर ध्यान में थे तो कामदेव ने उनके योग को बाधित किया और इसलिए शिव के क्रोध की अग्नि से जलकर कामदेव राख हो गए और इसलिए पहाड़ी को भस्मकला नाम मिला। इस पर्वत को भस्मकूट भी कहा जाता है। कालिका पुराण में कहा गया है कि उर्वशीकुंड यहीं स्थित है और यहां देवी उर्वशी निवास करती हैं जो कामाख्या के भोग के लिए अमृत लेकर आती हैं और इसलिए इस द्वीप का नाम उर्वशी द्वीप पड़ा। मंदिर के मुख्य पुजारी बिपिन शर्मा ने बताया सोमवार को पड़ने वाली अमावस्या के दिन यहां पूजा करने से सबसे अधिक आनंद मिलता है। शिवरात्रि के दौरान असम और देश के अन्य हिस्सों से श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। मंदिर के आसपास का वातावरण और द्वीप की दिव्य सुंदरता इसे प्रकृति प्रेमियों के लिए एक स्वर्ग बनाती है।

डाइनिंग हॉल में लगाएं शीशा घर में आएगी खूब बरकत

फेंगशुई के अनुसार घर में सकारात्मक ऊर्जा और धन-समृद्धि बढ़ाने के लिए डाइनिंग हॉल एक महत्वपूर्ण स्थान है। डाइनिंग हॉल में किए गए छोटे-छोटे बदलाव आपकी बरकत और पारिवारिक रिश्तों पर गहरा प्रभाव डालते हैं।

➢ फेंगशुई के अनुसार डाइनिंग हॉल की दीवार पर एक बड़ा शीशा (दर्पण) लगाना बेहद शुभ होता है। इसे इस तरह लगाएं कि पूरी डाइनिंग टेबल उसमें साफ नजर आए। मान्यता है कि शीशे में भोजन का प्रतिबिंब दिखने से घर में संपन्नता बढ़ती है और तरक्की के नए रास्ते खुलते हैं।

➢ डाइनिंग टेबल के लिए गोल या ओवल (अंडाकार) शेप को प्राथमिकता दें। यह आकार घर के सदस्यों के बीच कम्युनिकेशन गैप को खत्म करता है और आपसी प्रेम बढ़ाता है। मेज को कभी भी दीवार से सटाकर न रखें, बल्कि बीच में जगह छोड़ें।

➢ भोजन करते समय आपकी पीठ मुख्य दरवाजे की ओर नहीं होनी चाहिए।

ज्यादा नमक का सेवन स्वास्थ्य के लिए नुकसान

रसोई घर में मौजूद मसालों की वजह से ही खाने में सही स्वाद और सेहत मिलती है, लेकिन किसी भी चीज की बहुतायत स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। आज की जीवनशैली में तीखे और तले-भुने खाने के शौकीन लोगों की संख्या ज्यादा है और वे यह नहीं जानते हैं कि आटे से लेकर ब्रेड तक में धड़ल्ले से सोडियम का इस्तेमाल हो रहा है। जाने अनजाने में हम जरूरत से ज्यादा नमक का सेवन कर रहे हैं और भविष्य में होने वाली बीमारियों के लिए जिम्मेदार होंगे। स्वाद को बढ़ाने वाला नमक धीरे-धीरे शरीर में जहर की तरह घुलने लगता है और रोजमर्रा की आदत का हिस्सा बन जाता है। आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान दोनों मानते हैं कि नमक आवश्यक भी है और हानिकारक भी, बस

यह जानना जरूरी है कि कितना नमक शरीर के लिए जहर की तरह काम करता है और कितने नमक का सेवन रोजाना किया जा सकता है। डब्लूएचओ की माने तो रोजाना 5 ग्राम मतलब तकरीबन 1 छोटी चम्मच नमक का सेवन करना लाभकारी होता है। दिन में दो या तीन बार आहार लेने वाले लोगों को भी 5 ग्राम के हिसाब से ही आहार को संतुलित करना चाहिए। वहीं उसके उलट भारतीय जीवनशैली में रोजाना 10-12 ग्राम नमक लिया जाता है, जो दैनिक मापदंड से दोगुना है और यही कारण है कि लंबे समय तक सेवन करने से हाई बीपी, खून का ग्राम के हिसाब से ही आहार को ही संतुलित करना चाहिए। वही उसके उलट भारतीय जीवनशैली में रोजाना 10-12 ग्राम नामक लिया जाता है, जो दैनिक मापदंड से दोगुना है और यही कारण है कि लम्बे समय तक सेवन करने से हाई बीपी, खून का अत्यधिक पतला होना, हड्डियों का कमजोर होना, शरीर पर सूजन आना, यूरिक एसिड का बढ़ना, किडनी पर अत्याधिक बोझ पड़ना, शरीर में पानी की कमी होना और चेहरे पर समय से पहले झुर्रियां दिखना शुरू हो जाती हैं।

होली

बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व

फाल्गुन मास में मनाये जाने वाले होली पर्व को बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है। इस दिन ही प्रह्लाद के पिता हिरणकश्यप ने अपनी बहन होलिका की मदद से अपने पुत्र को मारने की कोशिश की थी। पौराणिक कथा के मुताबिक प्राचीन काल में कश्यप नाम के एक राजा हुआ करते थे। उनकी पत्नी का नाम दिति था और उन्हें अपनी पत्नी से दो पुत्रों की प्राप्ति हुई, जिनका हिरण्याक्ष और हिरण्यकशिपु नाम रखा गया। राजा कश्यप के पहले पुत्र हिरण्याक्ष को भगवान श्रीविष्णु ने वराह रूप धारण करने के बाद मार दिया था, जब वह पृथ्वी को पाताल लोक में ले गया था। अपने भाई की मौत के बाद हिरण्यकशिपु बेहद क्रोधित हो गया और उसने बदला लेने की ठानी। उसने इसके लिए कठिन तपस्या करनी शुरू कर दी ताकि भगवान से मनचाहा वरदान हासिल कर सकें। कठोर तपस्या के बल पर उसने ब्रह्माजी व शिवजी को प्रसन्न किया। ब्रह्माजी ने उसे 'अजेय' होने का वरदान दिया।

होलिका दहन का उत्तम समय

होलिका दहन के लिए जरूरी होता है कि वह समय सबसे पहले भद्रा से मुक्त होना चाहिए। भद्रा को विष्टि करण भी कहते हैं। एक करण तिथि के आधे भाग के बराबर होता है। सबसे प्रमुख सिद्धांत यह है कि पूर्णिमा प्रदोष काल व्यापिनी होनी चाहिए।

वरदान पाकर हिरण्यकशिपु हुआ अहंकारी

वरदान पाने के बाद वह अहंकार से भर गया। अपनी प्रजा पर वह काफी अत्याचार करने लगा। हिरण्यकशिपु को अपनी पत्नी से एक पुत्र की प्राप्ति हुई थी, जिसका नाम था प्रह्लाद। वह अपने पिता के स्वभाव के बिल्कुल विपरीत था जबकि एक राक्षस कुल में जन्म लेने वाला प्रह्लाद सात्विक गुणों से भरपूर था। वह भगवान विष्णु को बहुत मानता था और हमेशा प्रभु की भक्ति में लीना रहता। प्रह्लाद अपने पिता को उनकी खराब आदतों और प्रजा पर किए जानेवाले अत्याचारों का विरोध करता था। प्रह्लाद का मन भगवान की भक्ति से हट जाए। इसके लिए हिरण्यकशिपु ने बड़ी चालें चलीं और निरंतर कोशिशें की। लेकिन जब हिरण्यकशिपु को यह ज्ञात हो गया कि प्रह्लाद का मन भक्ति मार्ग से नहीं हटेगा तो उसने अपने पुत्र प्रह्लाद की हत्या की साजिश रची। इसके लिए हिरण्यकशिपु ने अपनी बहन होलिका की मदद भी ली। उसकी बहन होलिका को भगवान से यह वरदान हासिल था कि वह आग में नहीं जलेगी। होलिका की गोद में बिठाकर प्रह्लाद को जिंदा ही चिता में जलवाने की कोशिश की गई। लेकिन होलिका जिंदा जल गई जिसे नहीं जलने का वरदान हासिल था और प्रह्लाद को आंच तक नहीं आई। वह भगवान की भक्ति करता हुए अग्नि की चिता से बाहर निकल आया। प्रह्लाद को जिंदा देख हिरण्यकशिपु दंग रह गया और क्रोध में आकर उसने प्रह्लाद को मारने की कोशिश की। वह तलवार लेकर प्रह्लाद की ओर वार करने के लिए जैसे ही बढ़ा तो खंभे को चीरकर श्री नरसिंह भगवान प्रकट हो गए और हिरण्यकशिपु को पकड़ कर उसे अपनी जांघों पर डाल कर उसकी छाती अपने नखों यानी नाखून से फाड़ डाली। इस तरह श्री विष्णु ने प्रह्लाद की रक्षा की। प्रह्लाद के कहनेपर उन्होंने हिरण्यकशिपु को मोक्ष प्रदान किया। भगवान ने नरसिंह रूप में खंभा से प्रकट होकर हिरण्यकश्यप का वध किया जिसे मणिखंभ कहा गया। होली हर क्षेत्र में अलग-अलग तरीके से मनाई जाती हैं। इस दिन लोग तरह-तरह के लोकगीत गाते है। मथुरा और वृंदावन की होली पूरे देश में प्रसिद्ध हैं। यहां तो 15 दिनों तक होली मनाई जाती है। होली के दिन लोग सवेरे-सवेरे उठकर भगवान की पूजा अर्चना कर प्रसाद चढ़ाते है। होली बच्चों के लिए बेहद खास पर्व होता है। इस दिन सभी लोग अपने गिले-शिकवे भूलकर एक दूसरे को गले लगकर एक दूसरे के ऊपर रंग-गुलाल लगाते हैं। इस दिन शाम के वक्त लोग नए-नए कपड़े पहन कर एक दूसरे के घर जाते हैं। होली के दिन लोगअपने घर में में तरह-तरह के पकवान बनाते हैं।

दिगम्बर खेले मसाने में होरी

ब्रज की होली से ज्यादा मजेदार काशी के श्मशान की होली

वैसे तो ब्रज की होली का बखान हर जगह मिलता है लेकिन काशी के श्मशान में खेली जाने वाली होली के आगे ब्रज की होली की मस्ती भी फीकी लगती है। चिता की राख में जीवन के रंगो को तलाशने का काम यदि दुनिया में कही हो सकता है तो वह काशी है। रंग भरी एकादशी के दूसरे दिन काशी के श्मशान मणिकर्णिका घाट पर चिता की राख से यह होली खेली जाती है। स्थानीय लोक मान्यता है कि भूत भावन बाबा विश्वनाथ स्वयं अपने भूत प्रेत के साथ होली खेलने शमशान पहुंचे थे। तब से यह परंपरा आज तक कायम है।

काशी के श्मशान में होली खेलने की यह खास परंपरा कई वर्षों से चली आ रही है। जहां लोग रंग-गुलाल लगाकर होली का उत्सव मनाते हैं, मणिकर्णिका घाट पर लोग चिताओं की भस्म से होली खेलते हैं। इस दौरान भगवान शिव के जयकारे और हर-हर महादेव के नारे गूंजते रहते हैं। लोग एक दूसरे को भस्म लगाते हैं और उल्लास से होली खेलते हैं। इस होली में शामिल होने वाला हर व्यक्ति अपने आप को भाग्यशाली मानता है। काशी को इसी लिए भगवान शिव की नगरी कहा जाता है कि वहां के हर कण में भगवान शिव हैं।

इस संबंध में एक लोक कथा प्रचलित है। एकादशी के दिन शिवजी मां गौरी का गौना कराकर काशी पहुंचे और इसके दूसरे दिन बाबा अपने चहेतों भूत, प्रेत और पिशाचों के साथ श्मशान में भस्म और गुलाल के साथ होली खेले। यह होली अपने आप में इसलिए खास है कि इसमें सभी शिवभक्त रंग की जगह चिता की भस्म से होली खेलते हैं।

इस होली की खास बात यह है कि शव जलाने वाले और शव लेकर आने वाले भी होली खेलते हैं। ऊंच-नीच, राजा-रंक के भेदभाव से कोसों दूर, उल्लास और उमंग के साथ चिता की भस्म से खेली जाने वाली होली अनेकता में एकता की मिसाल पेश करती है। डमरु और घंटे की आवाज पर बाबा महाश्मशान की पूजा करने के बाद मणिकर्णिका घाट पर शिव भक्त इस त्यौहार को मनाते हैं। रंगभरी एकादशी पर बाबा विश्वनाथ माता पार्वती की विदाई कराकर काशी पधारते हैं। तब तीनों लोक से लोग उनके स्वागत सत्कार को आते हैं। जो लोग नहीं आ पाते हैं वह हैं- महादेव के सबसे प्रिय भूत-पिशाच, दृश्य-अदृश्य आत्माएं। रंगभरी एकादशी के अगले दिन महादेव अपने प्रिय भक्तों के साथ महाश्मशान पर होली खेलने पहुंचते हैं। रंगभरी एकादशी के दिन बाबा विश्वनाथ के दरबार से शुरू होने वाली होली का यह सिलसिला बुढ़वा मंगल तक चलता है। जिस वक्त काशी के मुकीमगंज से बैंड-बाजे के साथ औघड़दानी बाबा की बारात निकलती है, नियत स्थान पर पहुंचकर महिलाएं परंपरागत ढंग से दूल्हे का परछन करती हैं। मंडप सजता है, जिसमें दुल्हन आती है, फिर शुरू होती है वर-वधू के बीच बहस और दुल्हन के शादी से इंकार करने पर बारात रात में लौट जाती है।

इस अवसर पर एक लोक गीत

खेले मसाने मे होरी
दिगम्बर खेले मसाने मे होरी।
भूत प्रेत बटोरी दिगम्बर,
खेले मसाने मे होरी
लखि सुन्दर फगुनी छटा के,
मन मे रंग गुलाल हटा के,
चिता भसम भर झोरी,
खेले मसाने मे होरी।
गोप न गोपी श्याम न राधा,
ना कोई रोक ना कोई बाधा,
ना साजन ना गोरी,
दिगम्बर खेले मसाने मे होरी।
नाचत गावत डमरू धारी,
छोडे गरल पिचकारी,
बीतै प्रेत अघोरी,
दिगम्बर खेले मसाने मे होरी।
भूत नाथ की मंगल होरी,
देखि सिहाय बिरज की गोरी,
धन धन नाथ अघोरी,
दिगम्बर खेले मसाने मे होरी।

विश्वकर्मा समाज के लोगों को एक सूत्र में बांधने का संकल्प

गिरिडीह। विश्वकर्मा समाज की ओर से खंडोली में वनभोज सह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें जिले भर से सैकड़ों की संख्या में समाज के लोग शामिल हुए। मिलन समारोह की शुरूआत सभी ने भगवान विश्वकर्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की। इसके बाद समाज के लोगों ने एक-एक कर अपने विचार रखें और समाज के लोगों को एक सूत्र में बांधकर समाज को आगे बढ़ाने और समाज के उत्थान के बारे में चर्चा की। इस मिलन समारोह में समाज के लोगों ने समाज के युवाओं को आगे बढ़ाने और समाज की बेटियों की शादियों में मदद करने, शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर करने वाले समाज के छात्र-छात्राओं को आगे बढ़ाने समेत कई निर्णय लिए। समारोह की अध्यक्षता कर रहे मुंशी विश्वकर्मा ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों के आयोजन से समाज के लोगों को एक साथ मिलने का और उनके सुख-दुख को समझने का मौका मिलता है। इस अवसर पर पर मनोज विश्वकर्मा, सुरेंद्र विश्वकर्मा, गोपाल विश्वकर्मा, मुखिया सुरेन्द्र विश्वकर्मा, रामेश्वर विश्वकर्मा, परमेश्वर विश्वकर्मा, हीरालाल विश्वकर्मा, सुधीर विश्वकर्मा, रिंकू विश्वकर्मा, प्रकाश विश्वकर्मा, कन्हैया विश्वकर्मा, मदन विश्वकर्मा, पुनीत विश्वकर्मा समेत सैकड़ों की संख्या में समाज के लोग शामिल हुए।

सुरसी हनुमान मंदिर पर भक्तों का उमड़ा जनसैलाब

मिजार्पुर। सीखड़ क्षेत्र के सुरसी गांव में हनुमान मंदिर पर महाशिवरात्रि पर्व बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में वाराणसी, भदोही जनपद के शुभचिंतक परिचित मित्रों के साथ भक्त उपस्थित रहे। वहीं खैरा, पचराव, रुदौली, नन्दुपुर, बसारतपुर, चौधरीपुर आदि ग्रामीण अंचल के भी हनुमान भक्त उपस्थित थे। लोगों ने हनुमान चालीसा पाठ कर भजन व होली खेले मसाने में, होली खेले रघुबीरा अवध में फगुआ गीतों को सुनकर मंत्रमुग्ध हो गए। विश्व हिंदू महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष सुभाष सिंह ने उपस्थित प्रबुद्ध भक्तजनों को अंगवस्त्र, हनुमान ध्वजा, हनुमान चालीसा, बाबा विश्वनाथ का प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। अपने उद्बोधन में सुभाष सिंह ने कहा कि अनादिकाल से सनातन धर्म को मिटाने का प्रयास किया गया, लेकिन आज भी सनातन सभी को साथ में लेकर चल रहा है। हम सनातनी भाइयों बहनों को आगे आकर अपने सनातन धर्म के प्रचार प्रसार के लिए काम करने की जरूरत है। सुरेन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि हर गांव गांव में जाकर लोगों को प्रेरित कर मंदिरों पर हनुमान चालीसा पाठ कराने का जो कार्य किया जा रहा है, यह बहुत बड़ा कार्य है। घनश्याम विश्वकर्मा ने कहा कि हनुमान चालीसा पाठ एक ऐसा मंत्र है जो भी व्यक्ति इसको नित्य अपने अपने घरों या मंदिरों में जाकर करते हैं उसके जीवन में सुख समृद्धि आती है। कार्यक्रम उपरान्त भक्तों में प्रसाद वितरित किया गया।

वैलेंटाइन डे पर तंबाकू छोड़ने की अपील

मुंबई। मोहब्बत करने वालों के लिए वैलेंटाइन डे एक पर्व है, जिस दिन युगल जोड़ियां साथ जीने मरने की कस्मे वादे किया करते हैं। वैलेंटाइन डे के अवसर पर युवाओं को दिल से प्यार करने और तंबाकू से तौबा करने की अपील की गई। मुंबा देवी मंदिर परिसर में तंबाकू उपयोग के खिलाफ काम करने वाली सामाजिक संस्था वॉइस अगेंस्ट टोबैको की ओर से अपील की गई कि अपने प्यार का इजहार देखभाल, प्रतिबद्धता और स्वस्थ जीवनशैली के माध्यम से करें, न की ऐसी आदतों के जरिए जो स्वयं और अपने प्रियजनों को नुकसान पहुंचाती हैं।

वॉइस अगेंस्ट टोबैको के चेयरमैन उमेश थानावाला ने कहा कि वैलेंटाइन डे जैसे विशेष अवसरों के साथ एंटी-तंबाकू संदेशों को जोड़ने से उनका प्रभाव अधिक गहरा और स्थायी होता है। दागिना बाजार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजुभाई सोलंकी ने कहा कि जब संदेश भावनात्मक रूप से उत्सवों से जुड़ते हैं तो वे धूम्रपान करने वालों और तंबाकू उपयोगकताओं के दिल तक पहुंचते हैं और उन्हें सोचने व तंबाकू छोड़ने के लिए प्रेरित करते हैं। अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन मुंबई के अध्यक्ष दिलीप माहेश्वरी ने कहा इस भावनात्मक अभियान के माध्यम से वॉइस अगेंस्ट टोबैको का उद्देश्य लोगों को तंबाकू के लत के बजाय स्वास्थ्य को चुनने के लिए प्रेरित करना है और यह संदेश देना है कि वैलेंटाइन डे का सच्चा प्रतीक प्रेम हो तंबाकू नहीं। समाजसेवक मंगलचंद सेठ ने कहा कि तंबाकू धीमा जहर है जो शरीर को मौत की ओर ले जाता है। इस अवसर पर दागिना बाजार के प्रमुख व्यापारी प्रदीप जैन, ललित जैन, नरेंद्र जैन सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित थे।

सुथार समाज की ओर से भजन संध्या

अहमदाबाद। शाम चांद खेड़ा स्थित अलख आश्रम सेवा समिति, बाला हनुमान शनिदेव मंदिर प्रांगण में श्री विश्वकर्मा मित्र मंडल अहमदाबाद के सानिध्य में श्री विश्वकर्मा मेवाडा सुथार समाज का प्रथम सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। रात 8 बजे गणेश वंदना से भजन की शुरूआत हुई। भजन गायकों ने गणेश वंदना के बाद गुरु महिमा, हेली, निगुर्णी आदि भजनों समेत बाबा भोलेनाथ के भजनों की शानदार प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में अहमदाबाद के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे समाज बंधु, धर्म प्रेमियों व भक्तजनों की उपस्थित से पूरा मंदिर प्रांगण खचाखच भर गया। सभी भक्तजनों ने भजन एवं महाप्रसाद का लाभ लिया। भक्तों के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था सुथार समाज के युवाओं की ओर से की गई थी।

एल्यूडेकोर ने फायर सेफ्टी को लेकर उठाया कदम

लखनऊ। फसाड और बिल्डिंग मैटेरियल सेक्टर में फायर सेफ्टी को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच, देश की अग्रणी फसाड प्रोडक्ट निमार्ता कंपनी एल्यूडेकोर ने एल्युमिनियम कंपोजिट पैनल उद्योग के लिए एक अभूतपूर्व कदम उठाया है।

कंपनी ने सभी ACP ब्रांड्स के लिए निःशुल्क, स्वैच्छिक और ओपन-टू-ऑल मैटेरियल टेस्टिंग पहल की शुरूआत की है, जो B2B क्षेत्र में अपनी तरह की सबसे बड़ी पहल मानी जा रही है। यह पहल ऐसे समय में शुरू की गई है, जब देशभर में इमारतों में आग की घटनाओं के बाद ACP की गुणवत्ता, फायर रेजिस्टेंस और ट्रेसेब्लिटी को लेकर सवाल तेज हुए हैं।

ACP का उपयोग कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, अस्पतालों, होटलों और आवासीय इमारतों में बड़े पैमाने पर होता है, ऐसे में किसी भी स्तर पर गुणवत्ता से समझौता सीधे जन-सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा बन जाता है। लखनऊ, जो उत्तर भारत के तेजी से उभरते ACP बाजारों में शामिल है, इस पहल का अहम केंद्र है। एल्यूडेकोर का यहां फैब्रिकेटर्स, आर्किटेक्ट्स और बिल्डर्स के साथ लंबे समय से सक्रिय जुड़ाव रहा है।

SKILLING PARTNER
FFSC
FURNITURE & FITTINGS SKILLS COUNCIL
HINDUSTAN KI SHAAN
Presented by Greenply
काम से कामयाबी तक
हिंदुस्तान की शान
सीज़न 4
प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए QR कोड स्कैन करें
हिंदुस्तान की शान अवॉर्ड, ग्रीनप्लाई की एक पहल है
जो वुड पैनल उद्योग के शिल्पकारों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का मौका देती है।